डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 13.06.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

स्ववित्त पोषित शिक्षकों का विवरण आधार एवं पैन से जोडकर होगा आनलाइन

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने आज पूर्वान्ह फैजाबाद जिले के स्ववित्त पोषित महाविद्यालयें के प्राचार्यो के साथ–साथ विश्वविद्यालय से सम्बद्व मेडिकल/डेन्टल/नर्सिंग संस्थानों के शिक्षकों एवं प्राचार्यो के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की तथा विश्वविद्यालय की भविष्य की कार्यप्रणाली तथा योजनाओं के संदर्भ में अपने विजन से अवगत कराया।

लगभग दो धण्टे तक चली क्रमागत बैठकों में कुलपति ने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपनी स्पष्ट राय रखी। कुलपति ने स्पष्ट किया कि सम्बद्वता से जुड़ी समस्त प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाये जाने को लक्ष्य करते हुए उन्होने शीध्रतीशीध्र सम्पूर्ण प्रक्रिया को आनलाइन किए जाने पर कार्य प्रारंभ कर दिया है। कुलपति ने बताया कि उक्त कार्ययोजना के अंतर्गत महाविद्यालयों/संस्थानों को विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी कि वह सम्बद्वता से जुडे समस्त प्रपत्रों को आनलाइन अपलोड करें जिनका विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षण करने के उपरांत ही स्थलीय निरीक्षण आदि की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। इसी क्रम में कुलपति ने यह भी बताया कि आनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से समस्त महाविद्यालयों को अपने शिक्षको ंका सम्पूर्ण विवरण, जिसमे अनिवार्य रुप से आधार नं0 तथा पैन नं0 का उल्लेख होना चाहिए, को सार्वजनिक करना होगा। इसके अतिरिक्त समस्त सम्बद्व महाविद्यालयें को आगामी जनवरी 2018 तक अनिवार्य रुप से प्राचार्यो का अनुमोदन कराना होगा, अन्यथा की स्थिति में उन्हें परीक्षा केन्द्र नही बनाया जाएगा।

मेडिकल तथा डेंटल संस्थानों के प्राचार्यो द्वारा इंगित की गई समस्याओं के क्रम में चर्चा करते हुए कुलपति ने यह स्पष्ट किया कि सत्र 2017–18 का शैक्षणिक कैलेण्डर किसी भी दशा में माह जुलाई 2017 मे जारी कर दिया जाएगा और विश्वविद्यालय इसका कडाई से अनुपालन सुनिश्चित करेगा। कुलपति ने यह भी कहा कि मेडिकल, डेंटल तथा नर्सिंग के पृथक–पृथक फैकल्टी बोर्ड का गठन शीध्र ही कर दिया जाएगा और यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि मेडिकल, डेंटल व नर्सिंग की परीक्षाएं स्वकेन्द्र पर न होकर परिवर्तित केन्द्रों पर संपन्न कराई जाएं।

कुलपति ने बैठक में यह भी स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालयीय प्रक्रिया को आनलाइन करने के दौरान उसमें महाविद्य ालयों एवं संस्थानों की वार्षिक प्रगति आख्या से संबंधित एक पोर्टल भी बनाया जाएगा जिसके माध्यम से उनका प्रयास होगा कि प्रतिवर्ष गुणवत्ता के आधार पर संबद्व महाविद्यालयों की रैंकिग भी घोषित की जाए।

मीडिया प्रभारी